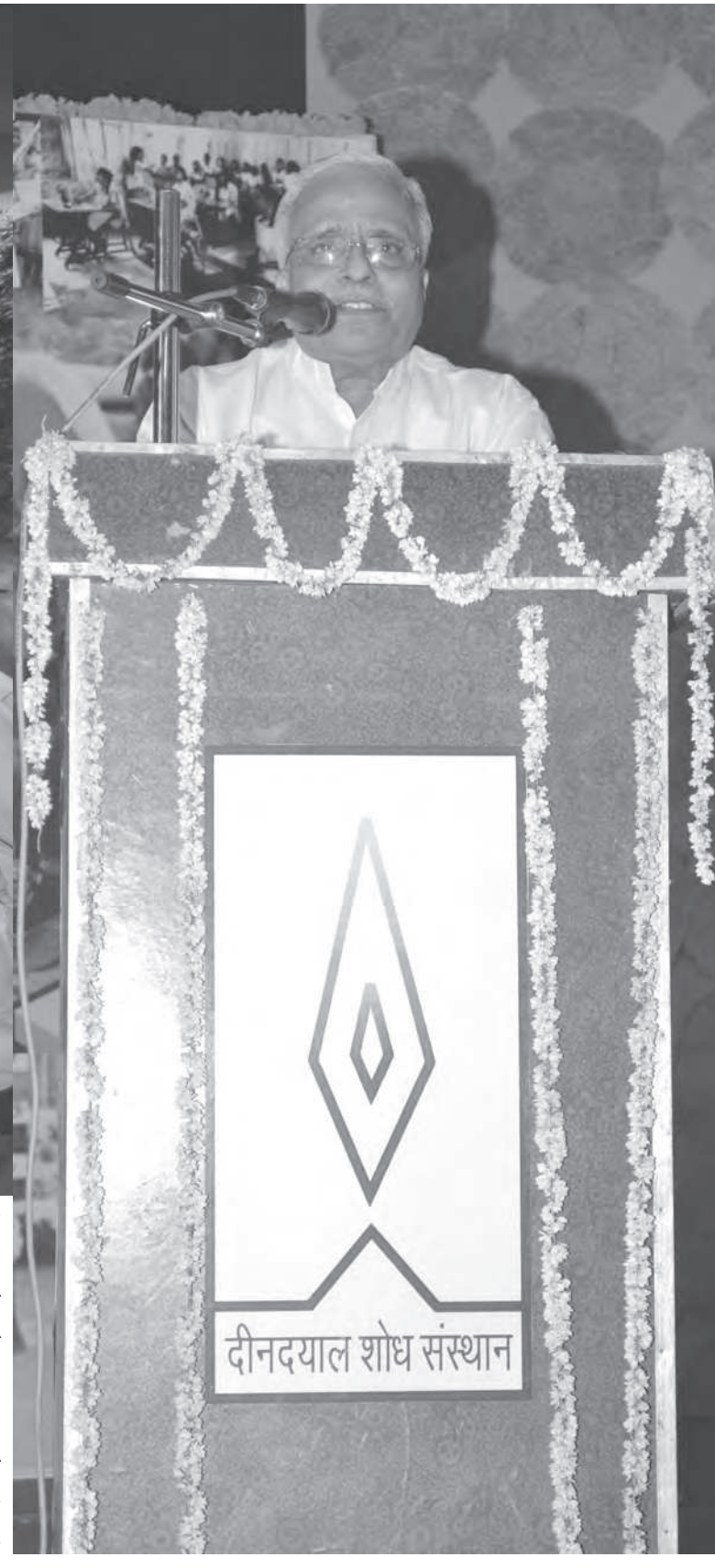

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक परमपूज्यनीय श्री गुरूजी ने राष्ट्रवाद के दो प्रकार बताए थे। एक सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और दूसरा राजनैतिक राष्ट्रवाद। इन दोनों के अंतर को समझने की जरूरत है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद में विश्व कल्याण की कल्पना है जबकि राजनैतिक राष्ट्रवाद में अपना प्रभुत्व स्थापित करने का विचार है। भारत की राष्ट्र की कल्पना कभी